पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश

प्रश्नावली

जिला पंचायत

पंचायत सशक्तीकरण एवम् उत्तरदायित्व प्रोत्साहन योजना 2013–14

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों का प्रोत्साहन एक सार्थक प्रयास

प्रायोजक – पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार
क्रियान्वयन –पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश

पंचायत सशक्तीकरण एवम् उत्तरदायित्व प्रोत्साहन योजना, वर्ष 2013–14

उद्देश्य :

- पंचायतों को जवाबदेह संस्था के रूप में विकसित किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाना।
- पंचायतों को अधिनियम व नियम के अनुसार कार्यवाही करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना।
- उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को पुरूष्कृत किया जाना।

प्रश्नावलियाँ भरने के लिए अनुदेश

1. प्रश्नावलियाँ भरने से पूर्व सम्बन्धित पंचायत के अध्यक्ष (प्रधान/प्रमुख/जिला पंचायत अध्यक्ष) को भी प्रश्नावली अवलोकित करा दी जाएँ एवम् उन्हें पूछे गये प्रश्नों से भली–भाँति अवगत कराया जाय।
2. प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उत्तर/अंकन पंचायत में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर ही किया जाय एवं उपलब्ध अभिलेख/श्रोत का उल्लेख श्रोत वाले स्तम्भ में किया जाय।
3. सूचनाओं के आधार हेतु उदाहरण स्वरूप ग्राम पंचायत तथा ग्राम सभा की बैठकों हेतु एजेन्डा रजिस्टर, बैठक की कार्यवाही रजिस्टर, बैठक की सूचना पंजिका, उपस्थिति पंजिका, सामाजिक अंकेक्षण पंजिका एवं उस पर कृत कार्यवाही पंजिका छः स्थायी समितियों की बैठक हेतु एजेन्डा तथा कार्यवाही तथा उपस्थिति पंजिका, पंचायत कर निर्धारण एवं वसूली पंजिका, रूपपत्र–7, कैशबुक, पासबुक/बैंक एकाउन्ट डिटेल्स, कार्यों का रजिस्टर, सम्पत्ति रजिस्टर, योजना निर्माण रजिस्टर, मुख्य सम्प्रेक्षा अधिकारी, सहकारी समिति एवम् पंचायतों द्वारा किये गये सम्प्रेषण तथा परिपालन आख्या रजिस्टर, सी0ए0 द्वारा तैयार किये गये अभिलेख, दीवाल लेखन आदि से सूचनाओं का प्रकाशन तथा ग्राम पंचायत से माँगी गई सूचनाओं तथा आवेदक को उपलब्ध करायी गई सूचना/रजिस्टर के आधार पर सूचनाएँ अंकित की जाएँ।
4. अन्तिम दो स्तम्भ जैसा कि उनमें अंकित किया गया है में दिये गये पूर्णांक एवं उसके समक्ष प्राप्तांकों का अंकन किया जाना है जो कि जनपद स्तर पर जिला पंचायत राज अधिकारी की अध्यक्षता में गठित प्रश्नावली परीक्षण दल द्वारा ही भरें जायेंगे, अतः उनमें सूचनादाता द्वारा कोई अंकन नहीं किया जायेगा।
5. प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक पूर्व निर्धारित हैं।
6. यदि किसी प्रश्न के समक्ष कोई सूचना/उत्तर नहीं दिया जाता है तो यह मान लिया जायेगा कि उस बिन्दु पर पंचायत द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया है एवं तदनुसार उस प्रश्न के सापेक्ष अंक प्रदान नहीं किये जायेंगे।
7. सूचनादाता द्वारा प्रत्येक पृष्ठ पर अपने हस्ताक्षर के साथ नाम, पदनाम की मुहर भी लगायी जायेगी।

बलराम यादव
मंत्री
पंचायती राज विभाग,
उत्तर प्रदेश।

:: सन्देश ::

पंचायती राज व्यवस्था आम ग्रामीण जनता की लोकतंत्र में प्रभावी भागीदारी का सशक्त माध्यम है। 73वाँ संविधान संशोधन द्वारा एक सुनियोजित पंचायती राज व्यवस्था स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है।

73वां संविधान संशोधन अधिनियम के लागू होते ही प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के पंचायत राज अधिनियमों अर्थात् उ.प्र. पंचायत राज अधिनियम–1947 एवम् उ.प्र. क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम–1961 में अपेक्षित संशोधन कर संवैधानिक व्यवस्था को मूर्तरूप दिया गया। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1995 में एक विकेन्द्रीकरण एवं प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया गया था जिसके द्वारा की गई संस्तुतियों के अध्ययनोंपरान्त तत्कालीन कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति (एच.पी.सी.) द्वारा वर्ष 1997 में 32 विभागों के कार्य चिन्हित कर पंचायती राज संस्थाओं को हस्तान्तरित करने की सिफारिश की गयी थी। प्रदेश सरकार संवैधानिक भावना के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं को अधिकार एवं दायित्व सम्पन्न करने के लिए कटिबद्ध है।

पंचायती राज व्यवस्था के सफल एवं अबाध संचालन के लिये यह आवश्यक है कि पंचायतें न मात्र स्वयं को दिये गये अधिकारों को ही समझें वरन् पंचायती राज अधिनियमों, तदन्तर्गत बनाये गये नियमों एवं उनके क्रियान्वयन हेतु निर्गत शासनादेशों के अनुसार जवाबदेह होते हुए पंचायतों के संचालन की कार्यवाही सुनिश्चित करें। जहां एक ओर पंचायतों का सशक्तीकरण जरूरी है वहीं दूसरी ओर उनके द्वारा उत्तरदायित्वों का निर्वहन भी अपरिहार्य है। आप सहमत होगें कि पंचायती राज व्यवस्था का मकसद गांव के आम आदमी की लोकतन्त्रात्मक व्यवस्था एवं विकास कार्यो में सहभागिता सुनिश्चित कराना है ताकि पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना के मूल उद्देश्यों की पूर्ति हो सके।

इसी उद्देश्य के दृष्टिगत सभी पंचायतों की कृत्यशीलता का मूल्यांकन किया जा रहा है। पंचायत राज विभाग द्वारा इस हेतु ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के लिए पृथक– पृथक प्रश्नावलियां तैयार की गई हैं। प्रश्नावलियों के सापेक्ष दी गई सूचनाओं के आधार पर विकास खण्ड, जनपद, मण्डल तथा प्रदेश स्तर पर मूल्यांकन करते हुए सर्वोत्कृष्ट पंचायतों का चयन किया जायेगा। मेरा विचार है कि पंचायत मात्र मूल्यांकन के समय ही नहीं वरन् निरन्तर सतत् रूप से स्वयं को सौंपे गये दायित्वों के निर्वहन का मूल्यांकन करें एवं ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे आम जनता में लोकतंत्र की इन बुनियादी ईकाईयों के प्रति विश्वास की भावना स्थापित हो सके।

मैं चाहूंगा कि उक्त प्रश्नावलियों को ग्राम सभा, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायतों की बैठकों में विस्तृत विचार–विमर्श हेतु रखा जाय एवं प्रत्येक पंचायत द्वारा दिये गये बिन्दुओं पर अपना स्व–मूल्यांकन करते हुए इस वर्ष के लिए ऐसी कार्य योजना बनायी जाय जिससे वे आगामी वर्ष में स्वयम् को सर्वोकृष्ट पंचायत के रूप में स्थापित कर सकें।

शुभकामनाओं सहित!

भवदीय,

(बलराम यादव)

अशोक कुमार
आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव,
पंचायती राज,
उ0प्र0 शासन।

:: सन्देश ::

पंचायत सशक्तीकरण एवं उत्तरदायित्व प्रोत्साहन योजना (Panchayat Empowerment & Accountability Incentive Scheme) पंचायत को स्वयं को सौंपे गये दायित्वों के अनुसार कृत्यशीलता की ओर अग्रसर करने हेतु एक कारगर माध्यम है। पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित उक्त योजना प्रदेश में वर्ष 2011–12 से लागू है। वर्ष 2013–14 से उक्त योजना को राजीव गांधी पंचायत सशक्तीकरण अभियान में संविलीन कर दिया गया है।

प्रदेश में वर्ष 2011–12 तथा 2012–13 में निश्चित मानकों के आधार पर क्रमशः वर्ष 2010–11 तथा वर्ष 2011–12 में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायतों से प्राप्त सूचनाओं एवं उनके सत्यापन के आधार पर प्रत्येक वर्ष 26 ग्राम पंचायतों, 4 क्षेत्र पंचायतों एवं 2 जिला पंचायतों को चयनित किया गया था। इन पंचायतों के प्रतिनिधि के रूप में उनके प्रधान/प्रमुख तथा अध्यक्षों को भारत सरकार के स्तर पर 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था। उक्त योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत की जाने वाली पंचायतों को वर्ष 2011–12 के सापेक्ष प्रशस्ति पत्र के साथ–साथ प्रति ग्राम पंचायत रू. 7 लाख, क्षेत्र पंचायत रू. 15 लाख तथा जिला पंचायत रू. 25 लाख की धनराशि से पुरस्कृत किया गया था। वर्ष 2012–13 में इस पुरस्कार की धनराशि को बढ़ाकर ग्राम पंचायत के लिए रू. 9 लाख, क्षेत्र पंचायत के लिए रू. 20 लाख तथा जिला पंचायत के लिए रू. 40 लाख कर दिया गया।

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सर्वोत्कृष्ट पंचायतों को पुरस्कृत करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा पंचायत सशक्तीकरण एवं उत्तरदायित्व प्रोत्साहन योजना (Panchayat Empowerment & Accountability Incentive Scheme) के क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया है। योजनान्तर्गत चयन की पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित सर्वोत्कृष्ट 02 जिला पंचायतों, 04 क्षेत्र पंचायतों तथा 26 ग्राम पंचायतों को चयन कर पुरस्कृत किया जायेगा। पंचायतों द्वारा वर्ष 2012–13 में किये गये कार्य एवं उपलब्धियों के मूल्यांकन हेतु ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायतों के लिए पृथक–पृथक प्रश्नावलियां तैयार की गयी हैं जो सभी पंचायतों को उपलब्ध करायी जा रही हैं। ग्राम पंचायतों के सन्दर्भ में सचिव, ग्राम पंचायत (ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी), क्षेत्र पंचायतों के सन्दर्भ में खण्ड विकास अधिकारी द्वारा सहायक विकास अधिकारी (पं0) के माध्यम से तथा जिला पंचायतों के सन्दर्भ में अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर प्रश्नावली में उल्लिखित प्रश्नों के समक्ष तथ्यों का अंकन किया जायेगा।

यद्यपि वर्ष 2013–14 में इस योजनान्तर्गत कुछ ही पंचायतें पुरस्कृत हो सकेंगी तथापि मेरा विश्वास है कि उक्त प्रश्नावलियों से पंचायतों/पंचायत प्रतिनिधियों को आत्मचिन्तन एवं आत्मविश्लेषण का अवसर भी मिलेगा एवं वह ऐसे विषयों जिनमें वह उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित नहीं कर सके हैं, पर विशेष जोर देकर अगले वर्ष में पुरस्कृत होने हेतु प्रयास कर सकेंगे।

शुभकामनाओं सहित

भवदीय

(अशोक कुमार)
प्रमुख सचिव,

परिशिष्ट–1(ग)

(जिला पंचायत राज अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा प्राप्तांकों के अंकन हेतु मापदण्ड/मानदण्ड के प्रयोगार्थ)

पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश
पंचायत सशक्तीकरण एवम् उत्तरदायित्व प्रोत्साहन योजना वर्ष 2013–14
मूल्यांकन के लिए संकेतक, प्रश्नपत्र तथा उत्तरालेखन

जिला पंचायत

जनपद :–

टिप्पणी : प्रश्न तथा अंकन योजना जनाधारित (जेनरिक) है तथा जिला पंचायतों के कार्यकरण तथा कार्य निष्पादन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर पकड़ कड़ी करने का प्रयास है।

1. आधारभूत संरचना :

जिला पंचायत का नाम	जिला	पिन कोड	दूरभाष संख्या	ईमेल आई.डी

1.2 जिला पंचायत अध्यक्ष का विवरण :

नाम	महिला/पुरूष	श्रेणी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग	पूर्व में अध्यक्ष/प्रमुख/सदस्य/प्रधान/सदस्य जिला पंचायत अथवा सदस्य ग्राम पंचायत थे हाँ/नहीं यदि हाँ तो कब से कब तक					
			अध्यक्ष	प्रमुख	सदस्य क्षेत्र पंचायत	प्रधान	ग्राम पंचायत सदस्य	सदस्य जिला पंचायत

1.3 सदस्यों की संख्या :

सामान्य		अनु.जा.		अनु.ज.जा.		कुल		कुल	श्रोत
पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला		

ग्राम पंचायतों की संख्या		जिला पंचायतों की संख्या	

2. पंचायत की कार्यशीलता **(Panchayat Functioning)**

उप–विषय	प्रश्न–पत्र	निर्देशक		स्रोत	अंक	अंकन प्रणाली (प्रतिशत संख्याओं को निकटतम पूर्ण संख्या के अनुसार पूर्णांकित करें)
क) पंचायत की कार्यशीलता **(Panchayat Functioning)**	**(i) कृपया वित्तीय वर्ष 2012–13 में जिला पंचायतों की बैठकों के संबंध में निम्नलिखित सूचना प्रदान करें?** (क) एक वर्ष में अनिवार्य बैठकों की संख्या : (ख) वित्तीय वर्ष 2012–13 में आयोजित बैठकों की संख्याः	(i) बैठकों की अनिवार्य संख्या की तुलना में पंचायत बैठकों का प्रतिशत				
	(ii) प्रत्येक तिमाही में जिला पंचायत की प्रथम बैठक के संदर्भ में					

निम्नलिखित सूचना प्रदान करें (अर्थात् अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर तथा जनवरी माह में प्रथम बैठक):

माह	दिनांक	भाग लेने वाले सदस्यों की संख्या	भाग लेने वाले अनु.जा. के सदस्यों की संख्या	भाग लेने वाले अनु.ज.जा. के सदस्यों की संख्या	भाग लेने वाली महिलाओं की संख्या
1	2	3	4	5	6
अप्रैल					
जुलाई					
अक्टूबर					
जनवरी					
योग					

(ii) प्रतिशत उपस्थिति मद — प्रतिशत

उपस्थिति का कुल प्रतिशत

भाग ले रहे अ.जा. तथा अनु.ज.जा. सदस्यों का प्रतिशत

भाग ले रही महिला सदस्यों का प्रतिशत

(iii) वित्तीय वर्ष 2012–13 में कोरम की कमी के कारण कितनी बैठकें स्थगित की गईं?

(iv) कोरम की कमी के कारण स्थगित बैठकों की संख्या

(iv) कितनी बैठकों की कार्यसूची अग्रिम रूप से परिपत्रित की गई?

(vi) सही प्रक्रिया का अनुपालन वाली बैठकों का प्रतिशत

(v) कितनी बैठकों में निर्णय विचार विमर्श के पश्चात् वोट अथवा सर्वसम्मति से लिया गया?

(vi) कितनी बैठकों का कार्यवृत्त रिकार्ड किया गया?

(vii) कृपया निशान लगाएं यदि निम्नलिखित मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किया गया :

(क) बजट/योजना का अनुमोदन

(ख) योजनाओं की पुनरीक्षा

(ग) शिक्षा

(घ) भरण–पोषण

(ix) जिला की समस्या तथा पंचायत के कार्य जैसे योजनाओं का अनुमोदन, योजनाओं की बजट समीक्षा इत्यादि के लिए कितने प्रस्ताव पारित किए गए।

मुद्दा	**संख्या**
1.	

<table>
<tr><td></td><td>(ङ) पोषण
(च) स्वास्थ्य
(छ) महिला संबंधी मुद्दे
(ज) अनु.जा./अनु.ज.जा. संबंधी मुद्दे
(झ) बाल देख–रेख संबंधी मामले
(ञ) स्वच्छता
(ट) रोड कनेक्टिविटी
(ठ) सड़कों पर रोशनी
(ड) जल</td><td>2.
3.
योग</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>(viii) क्या जिला पंचायत के रिकार्ड उचित वर्गीकरण के अनुसार रखे जाते हैं?</td><td colspan="2">(x) क्या रिकार्ड वर्गीकरण सहित रखे जाते हैं।</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>(ix) क्या वित्तीय वर्ष 2012–13 में अनियमितता अथवा गैर–कानूनी के लिए जिला पंचायत की शक्तियां रद्द की गई?</td><td colspan="2">(xi) क्या अनियमितता अथवा गैर–कानूनी कार्यों के कारण पंचायत की शक्तियां रद्द की गई?</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>(ख) जिला पंचायत की छः स्थायी समितियों की कार्यशीलता (Functioning of 6 standing committees of Zila Panchayat)</td><td>(i) वित्तीय वर्ष 2012–13 में कितनी स्थायी समिति की बैठकें आयोजित की गई?
<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>स्थायी समिति का नाम</th><th>अनिवार्य, बैठकों की संख्या</th><th>आयोजित बैठकों की संख्या</th></tr>
<tr><td>1.</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>2.</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>3.</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>4.</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>5.</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>6.</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">योग</td><td></td><td></td></tr>
</table></td><td colspan="2">(i) अनिवार्य संख्या की तुलना में स्थायी समिति की बैठकों का प्रतिशत :</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

3. कार्मिक एवं क्षमता निर्माण प्रबंधन (Management of personnel and capacity building)

<table>
<tr><th>उप–विषय</th><th>प्रश्न–पत्र</th><th>निर्देशक</th><th>स्रोत</th><th>अंक</th><th>अंकन प्रणाली (प्रतिशत संख्याओं को निकटतम पूर्ण संख्या के अनुसार पूर्णांकित करें)</th></tr>
<tr><td rowspan="5">(क) पदों का भरा जाना (यदि पी आर आई पदों को भरने हेतु अधिकृत हैं
(Filling of the Post)</td><td colspan="3">(i) जिला पंचायत द्वारा भरे जाने वाले पदों के संबंध में निम्नलिखित सूचना दें :</td><td rowspan="5">(i) भरे गए पदों का प्रतिशत</td><td rowspan="5"></td><td rowspan="5"></td><td rowspan="5"></td></tr>
<tr><td>पद का नाम</td><td>स्वीकृत पद</td><td>31 मार्च, 2013 तक भरे गए पद</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="2">(ख) आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम (Training programmes organized)</td><td colspan="3">(i) कृपया प्रशिक्षण संबंधी निम्नलिखित सूचना प्रदान करें :
(क) क्या जिला पंचायत के वर्ष 2012–13 में कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया?
(ख) यदि हाँ, तो कितने?</td><td>(ii) आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">(ii) क्या सभी चयनित प्रतिनिधियों तथा कार्यकारियों ने कम से कम एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है?</td><td>(iii) प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="2">(ग) कर्मचारियों के कार्य की समीक्षा (Review of work of functionaries)</td><td colspan="3">(i) क्या जिला पंचायत की बैठकों में कर्मचारियों ने भाग लिया?</td><td>(ii) पंचायत बैठकों में कर्मचारियों की उपस्थिति</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">(ii) यदि उपर्युक्त (i) का उत्तर हां है तो क्या जिला पंचायत कर्मचारियों के कार्य की समीक्षा करती है।</td><td>(iii) क्या कर्मचारियों के कार्य की समीक्षा की जाती है।</td><td></td><td></td><td></td></tr>
</table>

4. योजना एवं बजट प्रारूपण (Planning & Budget)

उप–विषय	प्रश्न–पत्र	निर्देशक			स्रोत	अंक	अंकन प्रणाली (प्रतिशत संख्याओं को निकटतम पूर्ण संख्या के अनुसार पूर्णांकित करें)
(क) वार्षिक योजना तैयार करना **(Preparation of annual plan)**	**(i) क्या जिला पंचायत ने पांच वर्षों की दीर्घ योजना (Perspective Plan) तैयार कर ली है?**	(i) क्या भावी योजना तैयार कर ली गई है?	हाँ	नहीं			
	(ii) क्या वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए जिला पंचायत ने वार्षिक योजना (Annual Plan) तैयार कर ली थी?	(ii) क्या वार्षिक योजना समय पर तैयार हो गई थी?	हाँ	नहीं			
	(iii) क्या वार्षिक योजना अगले स्तर पर प्रस्तुत की गई थी? (क) प्रस्तुत किए जाने की तारीख : (ख) प्रस्तुत किए जाने की वास्तविक तारीख :	(iii) क्या वार्षिक योजना अगले स्तर पर समय पर प्रस्तुत कर दी गई थी।	हाँ	नहीं			
(ख) वार्षिक योजना बनाने की प्रक्रिया **(Process of Preparation of annual Plan)**	**(i) क्या जिला पंचायत की सामान्य सभा (General Body) में वार्षिक योजना पर चर्चा की गई थी?**	(i) सामान्य सभा में वार्षिक योजना पर चर्चाएं	हाँ	नहीं			
	(ii) क्या जिला पंचायत की सामान्य सभा (General Body) के सुझाव सम्मिलित किए गए?	(ii) सामान्य सभा के सुझाव सम्मिलित	हाँ	नहीं			
	(iii) क्या योजनाएं बनाने के काम में विशेषज्ञों की मदद ली गई थी?	(iii) क्या योजनाएं बनाने के काम में विशेषज्ञों की मदद ली गई थी।	हाँ	नहीं			
	(iv) क्या योजनाएं बनाने के काम में पंचायत के निचले स्तरों से परामर्श किया गया था?	(iv) क्या योजनाएं बनाने के काम में पंचायत के निचले स्तरों से परामर्श किया गया था।	हाँ	नहीं			

	(v) क्या विभागीय योजना/स्कीमों के साथ अभिसरण (Convergence) सुनिश्चित किया गया था?	(v) क्या विभागीय योजना/स्कीमों के साथ अभिसरण सुनिश्चित किया गया था।	हाँ	नहीं			
(ग) बजट बनाना **(Budget)**	**(i) क्या वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए बनाया गया बजट निर्धारित मानदंडों के अनुरूप था और उचित समय पर बना लिया गया था?**	(i) क्या बजट बनाया गया।	हाँ	नहीं			
	(ii) क्या वर्ष 2012–13 के लिए महिला पुरूष बजट अलग–अलग बनाए गए?	(ii) महिला पुरूष बजट अलग–अलग बनाए गए।	हाँ	नहीं			

5. आय अर्जन (Income Generation)

उप–विषय	प्रश्न–पत्र	निर्देशक			स्रोत	अंक	अंकन प्रणाली (प्रतिशत संख्याओं को निकटतम पूर्ण संख्या के अनुसार पूर्णांकित करें)
क) अपनी आय के लिए नियोजन **(Planning for own income)**	**(i) क्या वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान आय के कोई नये स्रोत खोजे गए थे?**	(i) आय के नये स्रोतों की पहचान	हाँ	नहीं			
	(ii) क्या इन स्रोतों से कोई आय हुई?	(ii) इन स्रोतों से आय उपार्जन	हाँ	नहीं			
	(iii) क्या वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान जिला पंचायत में आय उपार्जन करने वाली कोई संपत्ति सृजित की गई?	(iii) क्या आय उपार्जन करने वाली संपत्तियों का सृजन किया गया।	हाँ	नहीं			
ख) देय राशि की	**(i) उन करो के संबंध में निम्नलिखित सूचना उपलब्ध कराएं जिनकी वसूली**	(iv) देय करों के	हाँ	नहीं			

वसूली (Collection of dues)	के लिए जिला पंचायत प्राधिकृत है :					मुकाबले इस वर्ष वसूल किए गए करो का प्रतिशत				
	कर का नाम	दि. 1.4.11 को देय गत शेष	वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान देय राशि	दि 1.4.2012 को कुल देय	वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान देय राशि					
	(ii) वित्तीय वर्ष 2011–12 और 2012–13 के दौरान जिला पंचायत की करों से भिन्न आय के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें :					(ii) पिछले वर्ष के मुकाबले करों से भिन्न आय में वृद्धि				
	आय का स्रोत		वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान आय (रू0)	वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान आय (रू0)						
	1.									
	2.									
	योग									

6. कार्य निष्पादन (Performance)

उप–विषय	प्रश्न–पत्र	निर्देशक	स्रोत	अंक	अंकन प्रणाली (प्रतिशत संख्याओं को निकटतम पूर्ण संख्या के अनुसार पूर्णांकित करें)
क) योजनाओं में वास्तविक उपलब्धि	(a) जिला पंचायतों द्वारा लागू की गई योजनाओं में प्राप्त लक्ष्यों के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें :	(a) लक्ष्यों के मुकाबले में विभिन्न केन्द्रीय/राज्य योजनाओं में वास्तविक			

(Physical Achieve-ments)	योजना का नाम	केन्द्र सरकार / राज्य सरकार / अन्य			लक्ष्य के समक्ष उपलब्धियों का प्रतिशत				
	1.								
	2.								
	3.								
	योग								
ख) योजना के आबंटन के मुकाबले व्यय (Expenditure against allotment)	(i) कृपया जिला पंचायत की प्रत्येक योजना में उपलब्ध आबंटन के मुकाबले व्यय के सम्बन्ध में निम्नलिखित बताएं				केन्द्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं पर बजट के मुकाबले प्रतिशत व्यय				
	योजना का नाम	**केन्द्रीय / राज्य / अन्य**							
	1.								
	2.								
	3.								
	योग								
ग) अनुसूचित जाति / जनजातियों पर व्यय (Expenditure on SC/ST)	(i) अनुसूचित जातियों / जनजातियों के लिए आवंटित धन का उपयोग : सभी योजनाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित कुल राशि : वास्तविक आवंटन : वास्तविक खर्च :				कुल आवंटन के सापेक्ष अ.जा. / अ.ज.जा. पर खर्च का प्रतिशत				
घ) महिला विकास के लिए व्यय (Expenditure on women development)	(i) वर्ष 2012–13 में जिला पंचायतों के आवंटन के सापेक्ष महिला विकास कार्यक्रमों पर कुल गैर स्थापना व्यय : कुल आवंटित राशि : महिला विकास कार्यक्रमों पर वास्तविक व्यय :				(i) कुल आवंटन के सापेक्ष महिला कार्यक्रमों पर खर्च का प्रतिशत				
ङ) मुक्त निधि व्यय (Untied	(i) जिला पंचायतों में मुक्त निधि के बारे में कृपया निम्नलिखित बताएं :				(i) मुक्त निधि व्यय का प्रतिशत :				
	निधि किस स्रोत से	**वित्तीय वर्ष 2012–13**			(ii) क्या अ.जा. / अ.ज.जा. / महिलाओं की				

funds expenditure)	**उपलब्ध है**	**में उपलब्ध धनराशि**			आवश्यकता पूरी करने के लिए व्यय किया गया–					
	1.				**हाँ**	**नहीं**	**यदि हाँ तो स्पष्ट करें–**			
	2.									
	3.									
	4.				(iii) क्या पेयजल/नालियों /सफाई व्यवस्था जैसी मूल आवश्यकताओं के लिए व्यय किया गया।					
	5.									
	योग									
च) नागरिक सेवाओं में प्रदर्शन (Performance of civic duties)	(i) जिला पंचायत में कितने गांवों में पूरी तरह पीने का पानी उपलब्ध है? (क) गांवों की संख्या : (ख) पूरी तरह कवर किए गए गावों की संख्या :				जिला पंचायत के अन्तर्गत आने वाले गांवों में से सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता वाले गांवों का प्रतिशत					
	(ii) जिला पंचायत में किने गांवों को निर्मल ग्राम पुरस्कार मिला है? (क) गांवों की संख्या : (ख) निर्मल ग्राम पुरस्कार पाने वाले गांवों की संख्या :				जिला पंचायत के अन्तर्गत आने वाले गांवों में से कितने प्रतिशत गांवों को निर्मल ग्राम पुरस्कार मिला है।					
छ) शिक्षा (Education)	जिला पंचायत द्वारा स्कूलों में पंजीकरण बढ़ाने व ड्राप–आउट को घटाने के लिए क्या प्रयास किये गये 6–14 आयु समूह के बच्चों में।				किये गये प्रयास 1. 2.					
ज) बाल पोषण (Child Nutrition)	जिला पंचायत द्वारा बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए क्या प्रयास किये गये (उदाहरण : आई0सी0 डी0एस0 के माध्यम से)?				किये गये प्रयास 1. 2.					
झ) स्वास्थ्य (Health)	जिला पंचायत द्वारा 0–5 वर्ष आयु समूह के बच्चों के सार्वभौमिक टीकाकरण के लिए क्या प्रयास किये गये? विवरण दें।				किये गये प्रयास 1. 2.					
ञ) लिंग भेद (Gender)	जिला पंचायत द्वारा लिंग अनुपात को सुधारने के लिए क्या प्रयास किये गये?				किये गये प्रयास 1. 2.					

ट) पर्यावरण संरक्षण (Environment Protection)	जिला पंचायत द्वारा इकोलॉजी व पर्यावरण सुधारने हेतु क्या कार्य किये गये?	किये गये प्रयास 1. 2.			
ठ) पंचायत और सामुदायिक समूह (Panchayat and Community Groups)	एस.एच.जी. महिला समूहो, अल्पसंख्यक समूहों, युवा समूहों और अ.जा./अ.ज.जा. जैसे समूहों के आधार पर वर्ष 2012–13 में जिला पंचायत द्वारा क्या कार्यकलाप किए गए?	सीमांत सामूहिक वर्गों के मुकाबले किए गए कार्यकलाप उल्लेख किया जाय–			
ड) पंचायत द्वारा शुरू किए गए विशेष कार्य (Special initiative taken by the Panchayat)	नागरिकों विशेष रूप से सीमांत वर्गों जैसे कि विकलांगों, एच.आई.वी., यौन कर्मियों, कुष्ठ रोगियों, बाल श्रमिकों आदि का जीवन सुधारने के लिए वित्तीय वर्ष 2012–13 में जिला पंचायत द्वारा जो विशेष पहल की गई उनका वर्णन करें।	क्या पंचायत ने नागरिकों विशेष रूप से सीमांत वर्गों का जीवन सुधारने के लिए पहल की थी। (उल्लेख किया जाय)			
ढ) आई.ई.सी. पहलकदमी (I.E.C Initiative)	क्या जिला पंचायत में जनता को सामाजिक मुद्दों और स्थानीय मुद्दों के संबंध में जानकारी देने के लिए पहल की है। स्पष्ट करें।	क्या आई.ई.सी. पहल की गई है।			
		हाँ	नहीं	यदि हाँ तो विवरण दें।	

7. जवाब देही और पारदर्शिता (Accountability & transparency)

उप–विषय	प्रश्न–पत्र	निर्देशक	स्रोत	अंक	अंकन प्रणाली (प्रतिशत संख्याओं को निकटतम पूर्ण संख्या के अनुसार पूर्णांकित

					करें)
क) लेखा रखना (Maintenance of Accounts)	(i) क्या जिला पंचायत के खाते सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में रखे गए हैं–	(i) क्या खाते निर्धारित प्रारूप में रखे गए हैं– हाँ / नहीं / यदि हाँ तो विवरण दें।			
	(ii) क्या ये अद्यतन एवं अधिप्रमाणित है?	(ii) क्या खाते अद्यतन हैं। हाँ / नहीं / यदि हाँ तो विवरण दें।			
	(iii) क्या वित्तीय वर्ष 2012–13 के लेखे सामान्य बैठक (General Body) के समक्ष रखे गए थे?	(iii) क्या खाते सामान्य बैठक (General Body) के समक्ष प्रस्तुत किए गये थे। हाँ / नहीं			
ख) प्रियासॉफ्ट (Pria-Soft)	(i) क्या ग्राम पंचायत द्वारा वर्ष 2012–13 की वार्षिक बुक पूर्ण (ईयर बुक) क्लोज हो गयी है?				
ग) लेखा परीक्षा (Audit)	कृपया पूर्ववर्ती लेखा परीक्षा के बारे में बताएं कि :	आडिट पैरा का अनुपालन प्रतिशत में			
	(i) कुल आडिट पैरा की संख्या :				
	(ii) कितने आडिट पैरा का अनुपालन किया गया?				
	(iii) कितने आडिट पैरा लंबित हैं?				
घ) शिकायत निवारण (Grievance redressal)	(i) वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान जिला पंचायत को जनता से कितनी शिकायतें मिली थी? (ii) इनमें से कितनी दूर की गई?	दूर की गई शिकायतों का प्रतिशत			
ङ) सूचना का अधिकार अधिनियम का अनुपालन (Compliance	(i) वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान जिला पंचायत को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कितने आवेदन मिले थे? (क) इनमें से कितने के संदर्भ में अपेक्षित सूचना दे दी गई थी?	सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों में से उत्तरित आवेदनों का प्रतिशत			
	(ii) इनमें से कितने आवेदनों पर अपील की गई?	आवेदनों के सापेक्ष की अपीलों का प्रतिशत			

to RTI Act.)	(iii) क्या सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार बी.पी.एल सूची, पेंशनभोगियों, प्राप्त धन और खर्च, जिन अधिकारियों को शिकायत भेजी जानी उनकी सूची आदि जिला पंचायत कार्यालय में और सार्वजनिक स्थानों पर प्रर्दशित की गई है?	सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 के अनुसार महत्वपूर्ण सूचना का सार्वजनित प्रदर्शन						
		शत–प्रतिशत	आंशिक	नहीं	शत–प्रतिशत तथा आंशिक की स्थिति में तिथि सहित विवरण दें।			

दिनांक : 2013

हस्ताक्षर
नाम एवम् मुहर अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत –

नोट : अपर मुख्य अधिकारी अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर किये जायें।